दैनिक अंबर
इंडलोद (झुंझुनूं) . मंगलवार 24 दिसंबर . 2013

मान्य विश्वविद्यालय के कुलपति ने दूर की मान्यता के भ्रम की स्थिति

आईएएसई में शुरू होगा एलएलबी कोर्स

सरदारशहर. अंबर न्यूज

आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नवनियुक्त कुलपति डॉ. आरएन शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की मान्यता सम्बन्धी भ्रम की स्थिति स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय पत्राचार पाठ्यक्रम चलाने के लिए अधिकृत है।

शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय को तकनीकी पाठ्यक्रम का संचालन करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से भारत सरकार के आदेश 5 अप्रेल 2006 के अनुसार पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं है। यूजीसी के निदेशक प्रशासन के पत्र 14 अक्टूबर 2013 द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि ऑपन एण्ड डिसटेंस लर्निंग ओडीएल की संस्थाओं द्वारा आंवटित सभी प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा सर्टीफीकेट्स भारत के सभी विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री व सर्टीफिकेट के अन्तर्गत एक जीबीपीएस इन्टरनेट से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि इस मान्य विश्वविद्यालय में

सरदारशहर. आईएएसई विश्वविद्यालय में प्रेस वार्ता में चर्चा करते कुलपति डॉ. आरएन शर्मा।

स्थानीय आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए आगामी सत्र 2014-15 से विधि संकाय प्रारम्भ करने जा रहे है। जिसके अन्तर्गत पांच वर्षीय बीए एलएलबी एवं तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम व चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम व वेटेनरी विज्ञान में भी द्विवर्षीय डिप्लोमा आदि कोर्स शुरू किए जाएंगे।

इसके अलावा अतिरिक्त कई विषयों में पॉलिटेक्निक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की भी योजना है। पांच वर्षीय बीए एलएलबी व चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में किसी भी विषय में सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा उर्तीण छात्र प्रवेश ले सकेंगे और वेटेनरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में जीव विज्ञान से 10 प्लस 2 परीक्षा पास विद्यार्थी ले सकेंगे। कार्यक्रम समन्वयक जितेन्द्र पारीक ने बताया कि इन सभी नवीन पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम निर्धारण के लिए विषयवार स्थानीय एवं अन्य विश्वविद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों का बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन कर लिया गया है। जो शीघ्र ही सिलेबस तैयार करेंगे। विधि संकाय के पाठ्यक्रमों को अनुमोदन के लिए बर कोंसिल को प्रस्ताव भी भिजवाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. जीएन शर्मा ने बतया कि उपरोत नवीन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त मान्य विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, प्रबन्धन एवं शिक्षा संकाय के साथ इतिहास, भूगोल, जन्तु विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबॉयलॉजी आदि विषयों में स्नात्तकोत्तर स्तर की अध्ययन सुविधाएं भी उपलब्ध है।

www.dainiknavajyoti.com

नवज्योति

जयपुर, मंगलवार, 24 दिसंबर 2013 | जयपुर | 9

शीघ्र शुरू होगा बीए व एलएलबी कोर्स

सरदारशहर के आईएएसई विश्वविद्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते कुलपति डा.आरएन शर्मा ।

न्यूज सर्विस/सरदारशहर

आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय गांधी विद्यामंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नवनियुक्त कुलपति डा.आर एन शर्मा ने इस मान्य विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की मान्यता संबंधी भ्रम की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि आईएएसई यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मानव संशाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित मान्य विश्वविद्यालय है।

अतः उक्त एक्ट की धारा 22 (1) के अन्तर्गत निर्दिष्ट पाठ्यक्रम चलाने के लिए अधिकृत है। यह मान्य विश्वविद्यालय केवल यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट पाठ्यक्रम ही संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय को तकनीकी पाठ्यक्रम का संचालन करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से भारत सरकार के आदेश 5 अप्रेल 06 के अनुसार पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं है। यूजीसी के निदेशक प्रशासन के पत्र 14 अक्टूबर 13 द्वारा यह निर्देशित किया गया है। कि ऑपन एण्ड डिसटेंस लर्निंग ओडीएल की संस्थाओं द्वारा आंवटित सभी प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा सर्टीफिकेट्स भारत के सभी विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री व सर्टीफिकेट के अन्तर्गत 1जीबीपीएस इन्टरनेट से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि इस मान्य विश्वविद्यालय में स्थानीय आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए आगामी सत्र 2014-15 से विधि संकाय प्रारंभ करने जा रहे है। जिसके अन्तर्गत पांच वर्षीय बीए एलएलबी एवं तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम व चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम व वेटेनरी विज्ञान में भी द्विवर्षीय डिप्लोमा आदि कोर्स शुरू किए जाएगें। इसके अलावा अतिरिक्त कई विषयों में पोलिटेकनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की भी योजना है।

पांच वर्षीय बीए एलएलबी व चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में किसी भी विषय में सीनियर सैकेंण्डरी परीक्षा उतीर्ण छात्र प्रवेश ले सकेंगे और वेटेनरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में जीव विज्ञान से 10 प्लस 2 परीक्षा पास विद्यार्थी ले सकेंगे। कार्यक्रम समन्वयक जितेन्द्र पारीक ने बताया कि इन सभी नवीन पाठ्यक्रमों क पाठ्यक्रम निर्धारण के लिए विषयवार स्थानीय एवं अन्य विश्वविद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों का बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन कर लिया गया है। जो शीघ्र ही सिलेबस तैयार करेंगे। विधि संकाय के पाठ्यक्रमों को अनुमोदन के लिए बर कोन्सिल को प्रस्ताव भी भिजवाया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा.जीएन शर्मा ने बताया कि उपरोत नवीन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त मान्य विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, प्रबन्धन एवं शिक्षा संकाय के साथ इतिहास, भूगोल, जन्तु विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबॉयलॉजी आदि विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की अध्ययन सुविधाएं भी उपलब्ध है।

राजस्थान पत्रिका
चूरू . मंगलवार
24.12.2013

सरदारशहर. प्रेस वार्ता को संबोधित करते कुलपति डा. आरएन शर्मा।

विश्वविद्यालय में शुरू होगा बीए, एलएलबी कोर्स

सरदारशहर.

sikar@patrika.com

आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर में शीघ्र ही बीए एलएलबी के कोर्स शुरू किए जाएंगे।

नव नियुक्त कुलपति डा. आरएन शर्मा ने बताया कि मान्य विश्वविद्यालय स्थानीय आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए आगामी सत्र 2014-15 से विधि संकाय प्रारंभ करने जा रहा है। जिसके तहत पांच वर्षीय बीए एलएलबी, तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम, चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम व वेटेनरी विज्ञान में भी द्विवर्षीय डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे।

इसके अलावा कई विषयों में पॉलिटेक्निक पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। कार्यक्रम समन्वयक जितेंद्र पारीक ने बताया कि सभी नए कोर्सेज के पाठ्यक्रम निर्धारित करने के लिए विषयवार स्थानीय एवं अन्य विश्वविद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों के बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन कर लिया गया है।

(पत्रिका संवाददाता)

राजस्थान की जान

गुरूवार 26 दिसम्बर 2013

www.rajasthankijaan.in

सुपर-फास्ट

विश्वविद्यालय में शीघ्र शुरू होगा बीए एलएलबी कोर्स

सरदारशहर। आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय गांधी विद्या मंदिर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नवनियुक्त कुलपति डा.आरएन शर्मा ने इस मान्य विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की मान्यता संबंधी भ्रम की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि आईएएसई यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मानव संशाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा घोषित मान्य विश्वविद्यालय है। अत: उक्त एक्ट की धारा 22 (1) के अन्तर्गत निर्दिष्ट पाठ्यक्रम चलाने के लिए अधिकृत है। यह मान्य विश्वविद्यालय केवल यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट पाठ्यक्रम ही संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय को तकनीकी पाठ्यक्रम का संचालन करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से भारत सरकार के आदेश 5 अप्रेल 06 के अनुसार पूर्वानुमति की आवश्यकता नहीं है। यूजीसी के निदेशक प्रशासन के पत्र 14 अक्टूबर 13 द्वारा यह निर्देशित किया गया है। कि ऑपन एण्ड डिसटेंस लर्निंग ओडीएल की संस्थाओं द्वारा आंवटित सभी प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा सर्टीफिकेट्स भारत के सभी विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री व सर्टीफिकेट के अन्तर्गत 1जीबीपीएस इन्टरनेट से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि इस मान्य विश्वविद्यालय में स्थानीय आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए आगामी सत्र 2014-15 से विधि संकाय प्रारी करने जा रहे है। जिसके अन्तर्गत पांच वर्षीय बीए एलएलबी एवं तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम व चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम व वेटेनरी विज्ञान में भी द्विवर्षीय डिप्लोमा आदि कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा अतिरिक्त कई विषयों में पोलिटेकनिक पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की भी योजना है। पांच वर्षीय बीए एलएलबी व चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में किसी भी विषय में सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा उर्तीण छात्र प्रवेश ले सकेंगे और वेटेनरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में जीव विज्ञान से 10 प्लस 2 परीक्षा पास विद्यार्थी ले सकेंगे। कार्यक्रम समन्वयक जितेन्द्र पारीक ने बताया कि इन सभी नवीन पाठ्यक्रमों क पाठ्यक्रम निर्धारण के लिए विषयवार स्थानीय एवं अन्य विश्वविद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों का बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन कर लिया गया है। जो शीघ्र ही सिलेबस तैयार करेंगे। विधि संकाय के पाठ्यक्रमों को अनुमोदन के लिए बर कोंन्सिल को प्रस्ताव भी भिजवाया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डा.जीएन शर्मा ने बतया कि उपरोत नवीन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त मन्य विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, प्रबन्धन एवं शिक्षा संकाय के साथ इतिहास, भूगोल, जन्तु विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबॉयलॉजी आदि विषयों में स्नात्तकोत्तर स्तर की अध्ययन सुविधाएं भी उपलब्ध है।